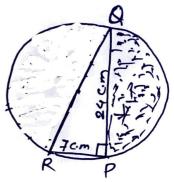


(1) दिया है:- ० केन्द्र वाले वन में, QR, शृत का क्यास है। PQ = 24 cm PR = 7 cm

ः P, अर्द्धवृत पर फोर्ड बिन्यू है



: LRPQ = 90 अद्धिष्टत पर बना कीण समकीण होता ध

· समकोण APOR में, LRPQ = 90°

: QR = 25 c.m

: अर्द्धत का क्यास = QR = 25 cm त्रिज्या = 8 = 25 cm

 $\begin{array}{rcl}
 & \exists 1 & \exists 2 &$

2.

ं छार्यांकित आजा का देंता = अर्द्धित का देंता - 1908 का देंता

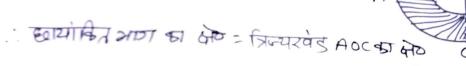
$$= \frac{6875}{28} - 84$$

$$= \frac{6875 - 2352}{28}$$

$$= \frac{4523}{28} \text{ cm}^2$$
Ang

त्रिज्यरवंतु AOC की त्रिज्या = R= 140m

त्रिज्यरवंड GOD की त्रिज्या = 7=70.m



- त्रिज्यखंडु BOD का क्षेट

$$= \frac{\Lambda R^{2} \theta}{360^{\circ}} - \frac{\Lambda r^{2} \theta}{360^{\circ}}$$

$$= \frac{\Lambda \theta}{360^{\circ}} \left[R^{2} - r^{2} \right]$$

$$= \frac{22 \times 40}{7 \times 360^{\circ}} \left[(14)^{2} - (7)^{2} \right]$$

$$= \frac{22}{63} \left[196 - 49 \right]$$

$$= \frac{22}{63} \times 147$$

$$= \frac{154}{3} \text{ c.m}^{2}$$

(३) दिया है:- वर्जा ABCD में दी अर्द्धवृत्त APD का BPC है।

AB = BC = CD = AD=140m

ः वर्भ की भुजा = 14 cm

ं वर्जी ABCD का सेंग्ट = (अजा)²-=(14)² =1960:m²

14cm
14cm
14cm

फिर

ं दोनो अद्धित APD एवं BPC का क्यास खराष्ट्र ध

ं प्रत्येक अर्द्धश्त का छ्यास = 14 cm

ं 2 अधिवत का क्षेठ = 2× 1 xx2

ः द्यायोकित आजा का क्षेत्र = वर्ज ABCD का क्षेत्र - दो अईहत मक्षेत्र

(4) दिया है:- समबाह △OAB की भुजा = 12cm

.: AB= 12cm

पृत की त्रिज्या = 8 = 6 cm

$$=\frac{22}{7}\times(6)^2$$

$$=\frac{22}{2}\times6\times6$$

$$=\frac{792}{7}$$
 c.m²

फिर्

$$=\frac{132}{7}$$
 c·m²

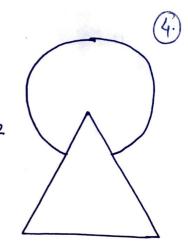
ं छायांकित भाग का क्षेण = वृत्त का क्षेण + समबाह् DOAB का क्षेण - त्रिज्यरवंड OPQ 51 ATO

$$= \frac{792}{7} + 36\sqrt{3} - \frac{132}{7}$$

$$= \left(\frac{792}{7} - \frac{132}{7}\right) + 36\sqrt{3}$$

$$=\left(\frac{792-132}{7}\right)+36\sqrt{3}$$

$$=\frac{660}{7} + 36\sqrt{3} \cdot cm^2$$



সিম্বল হা

(5) विया है:- वर्ज ABCD की भुजा = 4cm

$$= (4)^{2}$$
 $= 16 \cdot m^{2}$

ं श्रेत का क्पाल = 2 cm

$$= \frac{22}{7} \times 1 \times 1$$

$$=\frac{22}{7}$$
 c·m²

ः वर्श के चारों कोने पर एक-एक चतुर्थीय काटा गया है।

ः छायों कित भाग का क्षेण = वर्ग का क्षेण - 4 चतुर्घोत्रा का क्षेण- वन कार्केण

$$= 16 - \frac{22}{7} - \frac{22}{7}$$
 c.m²

$$=\frac{112-22-22}{7}$$
 c.m²

$$=\frac{112-44}{7}$$
 c.m²

$$= \frac{68}{7} cm^2$$

(6) वृताकार मेजपोश की त्रिज्या = ४ = 32 cm

.: 0B=0c = 32 cm

ं वृत्ताकार मेजपोश का क्षेठ = 102

$$= \frac{22}{7} \times (32)^{2}$$

$$= \frac{22}{7} \times 32 \times 32 \times 3$$

$$=\frac{22528}{7}$$
 c.m²

ः ०से ० म ८८ खींचा।

· · △ OBM तथा △ OCM में,

03-00 (त्रिज्या)

LOMB = LOMC (90')

OM = OM (Common)

.: DOBM = DOCM [R.H.S À]

· BM=CM - O [CPCT]

और

ं ८ BOC = 2 ८ BAC शिक ही न्याप द्वारा केन्द्र पर बना कोण वन के बेब भाग पर बने कोण का दुगुना होता है।

=) <BOC = 2×60 सिमबाह् AABC का प्रत्येक कीण 60 होता हैं]

=) <BOC = 120°

समीठ (1) से,

- 60

«समकीण DOBM में, LOMB=90.

=: Sin 60' = BM OB

$$=$$
 $\frac{\sqrt{3}}{2} = \frac{BM}{32}$

$$\Rightarrow$$
 2 x BM = 32 $\sqrt{3}$
 \Rightarrow BM = $\frac{32}{2}$ $\sqrt{3}$
BM = $16\sqrt{3}$ c·m

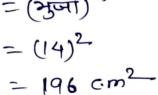
..
$$BC = 2 \times BM$$

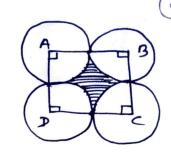
= $2 \times 16 \sqrt{3}$
= $32 \sqrt{3}$ c.m

-' HAMIE
$$\triangle$$
 ABC ST AND = $\frac{\sqrt{3}}{4}$ (32) $\frac{2}{4}$ = $\frac{\sqrt{3}}{4}$ \times (32) $\frac{2}{4}$ = $\frac{\sqrt{3}}{4}$ \times 32 \times

で回対像の = 27 町 森 o - A AGC 町 森 o - 22528 - 76853 C.m² メ

(7) वर्ज ABCD की भुजा = 14cm : वर्ज ABCD का क्षेत्र = (भुजा) 2

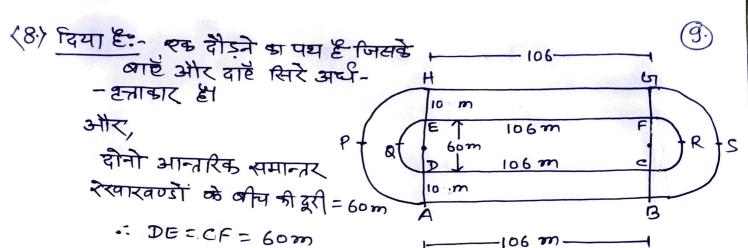




ं वर्श के न्यारों कोनों पर अने वत्त के नार न्यतुर्धीं है। ं प्रत्येक चतुर्घीया की त्रिज्या = ४ = 1/4 = 7 cm

: छायांकित आठा का क्षेंव = की का क्षेंव - 4-पतुर्घोद्या का क्षेंव = 196-154 c.m2 - 42 c·m²-





प्रत्येक समान्तर रेखाखण की लम्बार = 106m -: AB=DC=EF=HG=106m.

पद्म भी न्योदार = 10 m.

- ं छोटे अधिवत की त्रिज्या = र = 30 m. अड़े अधिवत की त्रिज्या = R = 30+10=40 e.m
- (i) पद्य के आन्तरिक किनारों के अनुदिश एक पुरा -पबकर लगाने में तय की गई कुल दूरी = DC+EF + दोनों आन्तरिक अर्घष्टत की परिद्य

$$= 106 + 106 + 2 \times \frac{2 \times 7}{2}$$

$$= 212 + 2 \times 2 \times \frac{22}{7} \times 30$$

$$= 212 + \frac{1320}{7}$$

$$= \frac{1484 + 1320}{7}$$

$$= \frac{2804}{7} \text{ son. Arg.}$$

(ii) आयत ABCD डा क्षेठ = 106×10 = 1060 m² आयत EFUH डा क्षेठ = 106×10 = 1060 m² 2 अविश्वताकार पथ का क्षेठ = 2 \[\frac{1}{2} \pi \rac{2}{2} \rac{1}{2} \rac{2}{1}

$$= 2 \times \frac{1}{2} \wedge \left[R^{2} - r^{2} \right]$$

$$= \wedge \left[(40)^{2} - (30)^{2} \right]$$

$$= \frac{22}{7} \left[1600 - 900 \right]$$

$$= \frac{22}{7} \times \frac{100}{700}$$

$$= 2200 \text{ m}^{2}$$

-: पद्य डा क्षेठ = आयत ABCD डा क्षेठ + आयत EFUH डा क्षेठ +2 अर्धन्त्राह्यर पद्य डा क्षेठ

$$= 1060 + 1060 + 2200 m^{2}$$

$$= 4320 m^{2}$$
Ang

(9) : AB और CD केन्द्र O वार्ते एक श्न के दो परस्पर अंब ज्यास है तथा

OD खोटे वन का न्यास है

ं? अड़े पृत की त्रिज्या की (अम्बार्स न c·m हैं।

.. OA = OC = OB = OD = R = 7 Cm

अब, छोटे वृत्त का छ्यास = OD = 70.m त्रिज्या = ४ = 7 c·m

ं छोटे वन का क्षेत = 182

$$= \frac{22}{7} \times (\frac{7}{2})^{2}$$

$$= \frac{22}{7} \times \frac{7}{2} \times \frac{7}{2}$$

$$= \frac{77}{2} \text{ c.m}^{2}$$

" बड़े अर्धवृत्त की त्रिज्या = R = 90 m

$$\therefore \text{ A}^{\frac{2}{3}} \text{ 37 s f f } \Rightarrow \text{ sho} = \frac{1}{2} \times \frac{22}{7} \times (7)^{2}$$

$$= \frac{1}{2} \times \frac{22}{7} \times (7)^{2}$$

$$= \frac{11}{7} \times 4 \times 7$$

$$= 77 \text{ c·m}^{2}$$

AABCA',

आब्गर = AB = 14 c·m क्रेचार = oc = 70m

.: AABC का क्ल = 1 X आलार X ऊनेपार्ट = = XABXOC - + x14x7 - 49 c·m2

ं छायां कित आज का दीं = छोटे वृत का दीं० + बिड़े अर्धवन कार्तें० - AACK कार्तें।

$$=\frac{77}{2}+[77-49]$$
 c.m²

$$=\frac{77}{2}+28$$
 cm²

$$=\frac{113}{2}$$
 c.m²

6.5

(10) समबाह् AAGC का क्षेत्र = 17320.5 cm

ं AABC के तीनों श्रीर्घ पर समान त्रिप्यखण्ड बना हुआ है।

B 56.

$$=3 \times \frac{3.14 \times (100)^{2} \times 60^{\circ}}{360^{\circ}}$$

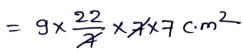
ं द्वायों कित भाग का क्षेठ = समायाह AABC का क्षेठ - 3 त्रिज्यरवणीं का क्षेठ

(11) पर्जीकार कमाल ABCD घर भी वृताकार डिजारन वना है।

ं प्रत्येक डिजाइन की त्रिज्या = v = 70m

.: ९ वृत्ताकार डिजाइन का क्षेट 9xxx²

$$=9x\frac{22}{7}x(7)^{2}$$



= 1386 cm2

वर्गाबार कमाल की भुजा = 3× वन का छ्यास = 3×14 = 420-m

•: वर्गाकार कमाल का क्षेठ = (भुजा)²
= (42)²
= 1764 cm²

.: क्रमाल के बीच आजा का क्षेठ = वर्जीकर रूमाल का क्षेठ - 9 डिजार्रन का क्षेठ

Ans

(i) -472 DACB &
$$\frac{1}{4} = \frac{1}{4} \times \frac{22}{7} \times (3.5)^2$$

$$= \frac{1}{4} \times \frac{22}{7} \times 3.5 \times 3.5$$

$$= \frac{1}{4} \times \frac{22}{7} \times 3.5 \times 3.5 \quad \text{6}.$$

$$= \frac{1}{4} \times \frac{22}{7} \times \frac{35}{10} \times \frac{35}{10}$$

$$-\frac{1}{2} \times 300 \times 50 \times 500 = \frac{1}{2} \times 300 \times 500$$

$$= \frac{1}{2} \times 300 \times 500$$

.: खायां कित आठा का क्षेठ = जुर्माश OACB का क्षेठ - ADBO का क्षेठ = $\frac{77}{8} - 3.5$ = $\frac{77 - 28}{8}$

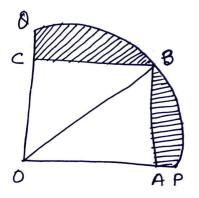
$$= \frac{49}{8} cm^2$$
Any

(13) चतुर्धीश ००७ के अन्तर्शत एक वर्श ० ABC बना हुआ है।

.. OA = 20 cm

ः वर्श OABC की भुजा = 200.m

$$=(20cm)^2$$



funz,

ें चतुर्थोञ्चा OPBQ की त्रिष्या = वर्डा OABC का विकर्ण

ः खायां कित आग का क्षेत्र = चतुर्धांश का क्षेत्र - की का क्षेत्र

$$=$$
 228 c·m²

$$=\frac{11\times21}{2}$$

$$=\frac{231}{2}$$
 c·m²

$$=$$
 $\frac{22\chi(7)^2\chi 30^{\circ}}{7 \times 360^{\circ}}$

$$= \frac{77}{6} \cdot \text{cm}^2$$

ह्यायों कित आठा का क्षेठ = त्रिंज्यरवण्ड OAB का क्षेठ - त्रिंज्यरवण OCD

$$= \frac{231}{2} - \frac{77}{6}$$

$$693 - 77$$

$$\begin{array}{r}
-693 - 77 \\
308 6 \\
-616 \\
\hline
63
\end{array}$$

(15) -472121 ABPC & BOWI = 8, = 140m B

$$\Delta ABC \text{ SI EATO} = \frac{1}{2} \times \text{SIIRUTZ} \times \text{SI-VIS}$$

$$= \frac{1}{2} \times AC \times AB$$

$$= \frac{1}{2} \times 14 \times 14$$

$$= 98 \text{ C·m}^2$$

समकीण AABC में, LA=90

अधिवत BQC का क्यास = BC = $14\sqrt{2}$ c.m

ित्या = $r_2 = \frac{714\sqrt{2}}{2} = 7\sqrt{2}$ c.m

े अधिवत BQC का से $0 = \frac{1}{2} \pi r_2^2$ $= -\frac{1}{2} \times \frac{22}{7} \times (7\sqrt{2})^2$ $= -\frac{1}{2} \times \frac{22}{7} \times 7\sqrt{2} \times 7\sqrt{2} \times 7\sqrt{2}$ $= 11 \times 7 \times 2 \text{ c.m}^2$ $= 154 \text{ c.m}^2$

-: ह्वायां कित भाग का केव = अर्धहर्मा क्षेव - द्वतरवंड BPC का क्षेव

(20

ं चतुर्धीय ADQB का क्षेत्र =
$$\frac{1}{4} \pi r_1^2$$

= $\frac{1}{4} \times \frac{22}{7} \times 8^2$ 8cm
= $\frac{1}{4} \times \frac{22}{7} \times 8 \times 8$

$$= \frac{352}{7} cm^2$$

$$\triangle ABD = \frac{1}{2} \times AB \times AD$$

$$= \frac{1}{2} \times 8 \times 8$$

$$= 32 \text{ cm}^2$$

$$= \frac{352}{7} - 32$$

$$= \frac{352 - 224}{7}$$

$$= \frac{128}{7} \cdot m^{2}$$

ं छायां कित आठा का क्षेव = व्रत्यंत DPBOD का क्षेव + व्रत्यंत DABOD

$$= \frac{128}{7} + \frac{128}{7}$$

$$= \frac{128 + 128}{7}$$

$$= \frac{256}{7} \text{ c.m}^2$$